संकलित परीक्षा – I (2014)

हिन्दी 'अ'

कक्षा – IX

निर्धारित समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं – क, ख, ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड-क

(अपठित बोध)

1 प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए। 5

राजनैतिक पराधीनता बड़ी बुरी वस्तु है। यह मनुष्य को जीवन यात्रा में अग्रसर होने वाली सुविधाओं से वंचित कर देती है। हमने उस पराधीनता की जंजीरें तोड़ दी हैं लेकिन सुविधा पा लेना ही बड़ी बात नहीं है। प्राप्त सुविधाओं को मनुष्य मात्र के मंगल के लिए नियोजित कर सकना ही बड़ी बात है। हमारी राजनीति, हमारी अर्थनीति, और हमारी सब निर्माण की योजनाएं तभी सर्वमंगलमयी विधायनी बन सकेंगी जबकि हमारा हृदय उदार और संवेदनशील होगा, बुद्धि सूक्ष्म और सारग्राहिणी होगी, संकल्प महान और शुभ होगा। यह काम केवल उपयोगी और व्यावहारिक साहित्य के निर्माण से ही नहीं हो सकेगा। इसके लिए साहित्य के उन सुकुमार अंगों के व्यापक प्रचार की आवश्यकता होगी जो मनुष्य को मनुष्य के सुख-दुख के प्रति संवेदनशील बनाते हैं। हमारा काव्य साहित्य, कथा, आख्यायिका और नाटक साहित्य ही हमें ऐसी सहृदयता दे सकता है। साहित्य का यह अंग केवल बाग्विलास का साधन नहीं होना चाहिए, उसे मनुष्यता का व्यापक होना चाहिए।

(क) मनुष्य को जीवन यात्रा में अग्रसर होने वाली सुविधाओं से वंचित कर देती है, –

(i) राजनैतिक पराधीनता। (ii) राजनैतिक स्वाधीनता। (iii) मानसिक स्वाधीनता। (iv) मानसिक पराधीनता।

(ख) सुविधा पा लेना ही बड़ी बात नहीं है, बड़ी बात तो है प्राप्त सुविधाओं को; –

JSUNIL TUTORIAL

Scanned by CamScanner

(i) मनुष्य मात्र के मंगल के लिए नियोजित करना।

(ii) मनुष्य मात्र के अमंगल के लिए नियोजित करना।

(iii) स्वयं के लिए नियोजित करना।

(iv) लाभकारी बनाना।

(ग) 'राजनैतिक' शब्द में प्रयुक्त मूल शब्द और प्रत्यय हैं -

(i) राजनीति+इक (ii) राजनैति+इक

(iii) राजनैति+ईक (iv) राजनीति+ईक

(घ) मनुष्य को सहृदयता दे सकता है-

(i) हमारा काव्य साहित्य, कथा आख्यायिका, और नाटक साहित्य।

(ii) हमारा परिवेश।

(iii) हमारी चिंतन प्रवृति।

(iv) हमारा पड़ोस।

(ङ) वाग्विलास का साधन साहित्य का यह न होकर हो, -

(i) मनुष्यता का उन्नायक। (ii) स्वाधीनता का उन्नायक।

(iii) इंसानियत का उन्नायक। (iv) पराधीनता का उन्नायक।

2 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए- 5

कभी-कभी अचानक ही विधाता हमें ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व से मिला देता है, जिसे देख स्वयं अपनी जीवन-रिक्तता बहुत छोटी लगने लगती है। हमें तब लगता है कि भले ही उस अन्तर्यामी ने हमें जीवन में कभी अकस्मात अकारण ही दंडित कर दिया हो किन्तु हमारे किसी अंग को हमसे विच्छिन्न कर हमें उससे वंचित तो नहीं किया। फिर भी हममें से कौन ऐसा मानव है जो अपनी विपत्ति के कठिन क्षणों में विधाता को दोषी नहीं ठहराता। मैंने अभी पिछले ही महीने, एक ऐसी अभिशप्त काया देखी है जिसे विधाता ने कठोरतम दंड दिया है। किन्तु वह उसे नतमस्तक आनंदपूर्ण मुद्रा में झेल रही है, विधाता को कोसकर नहीं। विकट परिस्थितियों में अपराजित बनी रहने वाली इस महिला की जीवन-गाथा निश्चय ही कठिनाइयों से जूझने और जीवन की चुनौतियों का साहसपूर्ण सामना करने की प्रेरणा प्रदान करती है।

(1) अपनी जीवन-रिक्तता तब छोटी लगने लगती है जब हम एक :

(क) सामान्य व्यक्ति से मिलते हैं (ख) विलक्षण व्यक्ति मिल जाता है (ग) संन्यासी से भेंट हो जाती हैं (घ) धोखेबाज मिल जाता है

(2) विधाता शब्द का अर्थ है :

(क) प्रभु (ख) महात्मा

(ग) विलक्षण व्यक्ति (घ) विधायक

JSUNIL TUTORIAL

Scanned by CamScanner

(3) हमको कभी जीवन में अकस्मात् अकारण दंडित कर देता है, :

(क) मानव (ख) दुश्मन

(ग) ईश्वर (घ) राजा

(4) जीवन-गाथा में समास है :

(क) तत्पुरुष (ख) द्विगु

(ग) द्वंद्व (घ) कर्मधारय

(5) अपराजिता का अर्थ है :

(क) हारनेवाली (ख) हराने वाली

(ग) जिसने कभी हार न मानी हो (घ) डरानेवाली

3 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिये गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छाँटकर लिखिए। 5

असहाय किसानों की किस्मत को खेतों में,
क्या अनायास जल में बह जाते देखा है ?
क्या खाएँगे ? यह सोच निराशा से पागल,
बेचारों को भूखे रह जाते देखा है ?

देखा है ग्रामों की अनेक रंभाओं को,
जिनकी आभा पर धूल अभी तक छाई है ?
रेशमी, देह पर जिन अभागिनों की अब तक,
रेशम, क्या ? साड़ी सही नहीं चढ़ पाई है ?

पर तुम नगरों के लाल, अमीरी के पुतले,
क्यों व्यथा भाग्यहीनों की मन में लाओगे ?
जलता हो सारा देश किन्तु होकर अधीर,
तुम दौड़-दौड़कर क्यों यह आग बुझाओगे ।

(1) उपर्युक्त काव्यांश में किसकी किस्मत को अनायास जल में बह जाते बताया है ?

(क) नेताओं की। (ख) किसानों की। (ग) नागरिकों की। (घ) समाजसेवियों की।

(2) किसकी आशा पर धूल छाई हुई है ?

JSUNIL TUTORIAL

Scanned by CamScanner

(क) ग्रामीण लोगों की। (ख) शहरी लोगों की।

(ग) ग्रामों की रेखाओं की। (घ) दुखी लोगों की।

(3) 'रेशमी देह' में 'रेशमी' शब्द व्याकरण की दृष्टि से क्या है ? (ग)

(क) संज्ञा। (ख) सर्वनाम।

विशेषण। (घ) क्रिया।

(4) 'अमीरों के पुतले' किसे कहा गया है ? (ग)

(क) किसान को। (ख) पूँजीपतियों को।

मजदूर को। (घ) गाँव वालों को।

(5) यहाँ कवि किसकी किस्मत के बारे में बता रहा है ? (ग)

(क) किसानों की। (ख) नगरवासियों की।

औरतों की। (घ) बच्चों की।

4 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए— 5

अब न गहरी नींद में तुम सो सकोगे,
गीत गाकर मैं जगाने आ रहा हूँ।
अरुण उदयाचल सजाने आ रहा हूँ।
कल्पना में आज तक उड़ते रहे तुम,
साधना से सिहरकर मुड़ते रहे तुम।
अब तुम्हें आकाश में उड़ने न दूँगा,
आज धरती पर बसाने आ रहा हूँ।
सुख नहीं यह, नींद में सपने सँजोना,
दुख नहीं यह, शीश पर गुरु भार ढोना।
शूल तुम जिसको समझते थे अभी तक,
फूल मैं उसको बनाने आ रहा हूँ।

(i) कवि किसे जगाने का प्रयास कर रहा है ?

(क) असावधान व बेखबर लोगों को (ख) छोटे बच्चों को

(ग) अपने भाई-बहनों को (घ) गहरी नींद में सोए हुए को

(ii) 'अस्ताचल में आने न दूँगा' से कवि का क्या तात्पर्य है —

(क) सूर्य छिपता जा रहा है (ख) पतन की राह पर न चलने देना

(ग) अकेले नहीं आने देना (घ) सूर्य की लालिमा का वर्णन

SUNIL TUTORIAL

Scanned by CamScanner

(iii) "साधना से सिहरकर मुड़ते रहे तुम" में अलंकार है —

(क) अनुप्रास (ख) यमक (ग) श्लेष (घ) रूपक

(iv) "दुख नहीं यह शीश पर गुरु भार लेना" का भाव है —

(क) बड़े काम करना अच्छा होता है

(ख) संघर्षों को दुख नहीं मानना चाहिए

(ग) संघर्ष करना होगा

(घ) काम करना दुखपूर्ण नहीं होता है

(v) कवि अज्ञानियों को धरती पर किस-प्रकार बसाना चाहता है ?

(क) ज्ञान देकर (ख) धन-धान्य से मदद करके

(ग) यथार्थ से परिचित करवा कर (घ) मकान बनाकर दे रहा है

खण्ड-ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

5 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। 7

(क) 'अनादि' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।

(ख) 'अभि' उपसर्ग लगाकर दो शब्द बनाइए।

(ग) 'भारतीय' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।

(घ) 'कार' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

(ङ) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

(I) दुरात्मा (II) आमरण (III) पंचवटी

6 (I) अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों को पहचान कर उनके भेद लिखिए। 4

(क) मैं चाहता हूँ कि तुम एक गीत गाओ।

(ख) शायद वह सो रहा है।

(II) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।

(क) गीता गीत गा रही है। (इच्छावाचक)

(ख) वह खाना खा रहा है। (संदेहवाचक)

7 निम्नलिखित पद्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों की पहचान कर उनके नाम लिखिए। 4

(क) ना मैं देवल ना मैं मस्जिद, ना काबे कैलाश में।

(ख) उलझा है चंचल मन-कुरंग

(ग) वह जिंदगी क्या जिन्दगी जो सिर्फ पानी सी बही।

(घ) मानो मिला मुझे मित्र पुराना।

JSUNIL TUTORIAL

Scanned by CamScanner

खण्ड-ग

(पाठ्य-पुस्तक)

8 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (1+2+2) 5

अब हम तिङ्‌री के विशाल मैदान में थे जो पहाड़ों से घिरा टापू-सा मालूम होता था, जिसमें दूर एक छोटी-सी पहाड़ी मैदान के भीतर दिखाई पड़ती है। उसी पहाड़ी का नाम है तिङ्‌री समाधि गिरि। आसपास के गाँव में भी सुमति के कितने ही यजमान थे। कपड़े की पतली-पतली चिरी बत्तियों के गंडे खत्म नहीं हो सकते थे क्योंकि बोधगया से लाए गए कपड़े के खत्म हो जाने पर किसी कपड़े से बोधगया का गंडा बना लेते थे।

(क) गद्यांश में वर्णित तिङ्‌री का मैदान कैसा था और वह कैसा मालूम होता था ?

(ख) तिङ्‌री समाधि गिरि के बारे में संक्षेप में लिखिए।

(ग) तिङ्‌री के आसपास के गाँवों से सुमति किस तरह जुड़े हुए थे ?

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

9(i) सालिम अली के बचपन की वह कौन सी घटना थी, जिसने उन्हें पक्षी-प्रेमी बना दिया। 2

(ii) वस्तुओं को खरीदते समय वस्तु की गुणवत्ता , उपयोगिता, विज्ञापन की चमक-दमक में से किन बातों को महत्व देना चाहिए? तर्क सहित स्पष्ट कीजिए । 2

(iii) बैल का स्थान गधे से नीचा क्यों कहा गया है ? पठित पाठ के आधार पर लिखिए। 2

(iv) हिम्बत में डाँड़े के मार्ग में आदमी कम क्यों दिखाई देते हैं ? पठित पाठ के आधार बताइए। 2

(v) सालिम अली का अंतिम पलायन क्या था और वह कहाँ से हो रहा था ? 2

JSUNIL TUTORIAL

Scanned by CamScanner

10 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2+2+1) 5

पीले मीठे अमरूदों में
अब लाल-लाल चित्तियाँ पड़ीं,
पक गए सुनहले मधुर बेर,
अँवली से तरु की डाल जड़ी।
लहलह पालक, महमह धनिया,
लौकी औ सेम फलीं, फैलीं
मखमली टमाटर हुए लाल
मिरचों की बड़ी हरी थैली !

(क) खेतों में सब्जियों पर बहार कैसी है ? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

(ख) पेड़ों की ऊँचाई पर बेर और आँवले कैसे हो गए हैं ?

(ग) पके हुए अमरूद कैसे दिखाई देते हैं ?

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

11(i) "सम खा तभी होगा समभावी" का भाव स्पष्ट कीजिए तथा बताइए कि इस प्रकार की प्रवृत्ति से हमें क्या लाभ होगा? 2

(ii) "पहरे की हुंकृति की व्याली" का आशय स्पष्ट कीजिए कि इस पंक्ति में कवि की किस स्थिति तथा मनस्थिति का परिचय प्रगट होता है? स्पष्ट कीजिए। 2

(iii) कवि पंत जी ने खेतों में फैली हुई हरियाली को किसके समान बताया है तथा वह कहाँ तक फैली दिखाई देती है? स्पष्ट कीजिए। 2

(iv) "जोग जुगति करि संतो बाँधी, निरचू चुवै न पाँणी" पंक्ति में अलंकार बताइए? इस पंक्ति में किसकी विशेषता बताई गई है? 2

JSUNIL TUTORIAL

Scanned by CamScanner

(v) कवि रसखान किस स्थिति में कालिंदी के किनारे के कदंब की डालों पर अपना वास बनाना चाहते हैं तथा उनको इस 2
तरह की इच्छा किस कारण इतनी प्रबल हो रही है?

12 लेखक रेणु द्वारा अपने घर के पास आए हुए बाढ़ के पानी के वर्णन व प्रसंग को लिखिए। इससे लोगों के किस प्रकार 5
के विचारों को झलक मिलती है? यदि आप इस दृश्य को देख रहे होते तो क्या करते?

खण्ड-घ

(लेखन)

दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए-

13(i) भाग्य और कर्तव्य 10

- भूमिका
- कर्तव्य से भाग्य का निर्माण
- आलसी असफल
- अवसर के अनुकूल परिश्रम
- उपसंहार

(ii) विज्ञान के बढ़ते चरण 10

(i) प्रस्तावना

(ii) विविध क्षेत्रों में प्रगति

(iii) प्रतिरक्षा – क्षेत्र में प्रगति

(iv) परिमाणु, विद्युत ऊर्जा क्षेत्र

(v) उपसंहार

SUNIL TUTORIAL

Scanned by CamScanner

(iii) हमारा राष्ट्र भारत 10

(i) प्रस्तावना

(ii) संस्कृति

(iii) सत्य, शांति, अहिंसा

(iv) चहुँमुखी विकास

(v) उपसंहार

14 समय का सदुपयोग करते हुए परिश्रम पूर्वक पढ़ने की सलाह देते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। 5

15 आपके पिता जी द्वारा घर पर ही कुछ साहित्यकारों को कल आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर "हिंदी भाषा के अध्ययन" विषय पर परिचर्चा हुई। इस परिचर्चा का प्रतिवेदन-प्रस्तुत कीजिए। 5

JSUNIL TUTORIAL

Scanned by CamScanner